माननीय,

श्रीमान् प्रकाश जावड़ेकर जी
मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार
नई दिल्ली

विषय–उच्च शिक्षण संस्थानों में अहिंसक शाकाहारी विद्यार्थियों के लिए अलग से भोजनशाला एवं भोजन करने की व्यवस्था के बावत्।

महोदय,

विषयगत बात यह है कि भारतीय संस्कृति अहिंसक शाकाहारी संस्कृति के नाम से जानी जाती है। आज की भौतिकता की चकाचौंध के चलते सांस्कृतिक अनुयायिओं को अपनी अगली पीढ़ी को भारतीय संस्कृति के आध्यात्मिक संस्कार देना बहुत दुरूह हो रहा है।

वर्तमान शिक्षा प्रणाली में भारतीय संस्कृति के संस्कारों को पूर्णतः गौण कर दिया गया है। इसके चलते बच्चों को उच्च शिक्षा लेते हुए अपने संस्कारों को बचाना चुनौतीपूर्ण कार्य बन गया है।

भारतीय संस्कृति में बताया गया है कि जैसा खान-पान होता है वैसे ही विचार उत्पन्न होते हैं और वैसा ही आचार बन जाता है। इस तथ्य को विज्ञान भी स्वीकार कर रहा है।

प्रसंगानुसार उच्च शैक्षणिक संस्थान जैसे–आई.आई.टी., एन.आई.टी., आई.ए.एम., मेडिकल आदि में शाकाहारी विद्यार्थियों के लिए अत्यधिक कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है, अतः आपसे नम्र निवेदन करते हैं कि आप इन कठिनाईयों से बचाने का कष्ट करें और शाकाहारी विद्यार्थियों के लिए भोजनशाला एवं भोजन करने के स्थान की अलग व्यवस्था करवाएं और संस्कृति के संस्कारों की रक्षा करेंगे।

ऐसे विद्यार्थियों एवं उनके माता-पिता की पीड़ा को आप अनुभव कर सकते हैं क्योंकि आप भी भारतीय संस्कृति को अपनाते हैं।

महोदय आपको ध्यान होगा कि पूर्व मानव संसाधन मंत्री स्मृति ईरानी जी ने इस बात पर ध्यान दिया था और घोषणा की थी कि उच्च शिक्षण संस्थानों में जल्दी ही शाकाहारियों के लिए भोजनशाला एवं भोजन करने का स्थान अलग होगा, जिसकी सूचना 'टाईम्स ऑफ इंडिया' में प्रकाशित हुई थी, किन्तु यह कार्य अभी तक नहीं हो सका।

अतः आपसे नम्र निवेदन है कि भारतीय संस्कृति की इस माँग को आप जल्द से जल्द पूर्ण करेंगे।

निवेदक

प्रति :

प्रधानमंत्री कार्यालय